वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 116 | मंगलवार 20 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में 2 दिन बाद बारिश का अलर्ट

12 जिलों में बरसात की संभावना, पिछले 24 घंटे में 2 इंच पानी बरसा

जयपुर.कासं। राजस्थान में बारिश का दौर फिर से शुरू हो गया है। भरतपुर, जयपुर संभाग के जिलों में सोमवार को कई जगह 2 इंच तक बरसात हुई। 22 अगस्त से राजस्थान में तेज बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। 12 जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बरसात भरतपुर के भुसावर इलाके में 63 एमएम दर्ज हुई। भरतपुर के बयाना में 14, वैर में 10, कुम्हेर में 24, धौलपुर के मनिया में 51, सवाई माधोपुर के बामनवास में 48, करौली के नादौती में 48, अलवर के बानसून में 25, दौसा के बेजुपाड़ा में 55, महुवा में 32 एमएम बरसात दर्ज हुई।

अब तक 47 फीसदी ज्यादा बरसात: प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक (1 जून से 19 अगस्त तक) 472.5एमएम बारिश हो चुकी है, जबकि औसत बारिश 321.4टट होती है। इस तरह इस सीजन में 47 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है।

अब आगे क्या? मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के मुताबिक, 20 और 21 अगस्त को प्रदेश में बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। पूर्वी राजस्थान के जिलों में लोकल स्तर पर बारिश हो सकती है। 22 और 23 अगस्त को टोंक, भीलवाड़ा, बूंदी, बारां, कोटा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा में हल्की से मध्यम और कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने मातृशक्ति के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

जयपुर. कासं

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की मातृशक्ति के साथ रक्षा बंधन मनाया। देवनानी को सैंकड़ों महिलाओं ने राखी बाँधी और राखी भाई बनाया। देवनानी ने भी बहनों को मिठाई और उपहार के साथ रक्षा व सुरक्षा के लिए सदैव ततपर रहने का वादा किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर के एक निजी समारोह स्थल पर अजमेर उत्तर क्षेत्र की मातृशक्ति के साथ राखी का पर्व मनाया। सैंकड़ो महिलाएं इस कार्यक्रम में पहुंचीं और उन्होंने देवनानी को राखी बांधी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए देवनानी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि अजमेर की प्रत्येक महिला अपने आपको सुरक्षित महसूस करे। उन्होंने कहा कि अजमेर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिसिंग को और बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तरह अजमेर में सुरक्षा के लिए अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी व रोहिंग्याओ की धरपकड़ भी की जाएगी।

जवानों के साथ मनाया रक्षा पर्व

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र एक में तैनात महिला व पुरुष सिपाहियों के साथ भी रक्षाबंधन का पर्व मनाया। उन्होंने कहा कि अपने घर परिवार से दूर रह रहे जवान हमारे रक्षक हैं। देवनानी एवं उनके साथ शहर से आई महिला कार्यकर्ताओं ने जवानों को राखी बाँधी। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि देशवासियों का भी फर्ज है कि इन सिपाहियों का सदा हौसला बढ़ाए। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की रक्षा में सीआरपीएफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। देश हमेशा इन जवानों के साथ खड़ा रहेगा। इस अवसर पर सीआरपीएफ के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत बनाता है। यह हमें एक-दूसरे के प्रति अपने प्रेम, समर्पण और सुरक्षा के संकल्प की याद दिलाता है। शर्मा सोमवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में विभिन्न क्षेत्रों से आई बहनों और छात्राओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमारे परिवार और समाज की नींव हैं। बहन जब भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधती है, तब हर कठिनाई से लड़ने की प्रेरणा मिलती है। शर्मा ने कहा कि वह सदैव बहनों की सुरक्षा और सम्मान के लिए तत्पर हैं एवं उनकी हर समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध भी है। मुख्यमंत्री आवास पर आई बहनों और छात्राओं ने भावपूर्ण रूप से मुख्यमंत्री शर्मा की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा। मुख्यमंत्री ने सभी से स्नेहिल मुलाकात की और रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई दी।

श्रमण संस्कृति की रक्षा का महापर्व रक्षाबंधन-उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

19 अगस्त को मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं एवं अर्पितमय पावन वर्षायोग समिति के तत्वावधान में आगरा के कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के आचार्य श्री विद्यासागर संत निलय में जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर श्री 1008 श्रेयांसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं 700 मुनियों की रक्षा का पर्व रक्षाबंधन वात्सल्य महापर्व बडे. ही धूमधाम से मनाया गयो जिसमें 700 श्रीफल श्रीजी के समक्ष अर्पित कर,एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधे इसके पूर्व प्रारम्भ में प्रातः काल श्रीजी का अभिषेक एवं वृहद शान्तिधारा की और शशि पाटनी एण्ड पार्टी द्वारा संगीतमय प्रभु का पूजन किया। श्रावक-श्राविकाओं ने निर्वाण कांड का वाचनकर प्रभु श्रेयांसनाथ के समक्ष 11 किलो का निर्वाण लाडू अर्पित कियो जिसमें श्रावकों ने सम्मलित होकर पुण्यार्जन किया। महोत्सव के मध्य में उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जैन धर्म की पताका श्रमण संस्कृति है, जिनके दर्शन से असीम पुण्य का संचय होता है। रक्षाबंधन को वात्सल्य का पर्व बताते हुए धर्म व संस्कृति की रक्षा का पर्व बताया। उन्होंने कहा इस दिन विष्णुकुमार मुनिराज जो विक्रियारिद्धि के धारी थे उन्होंने सात सौ मुनिराजों का उपसर्ग दूर किया था। इसके बाद रक्षाबंधन महोत्सव एवं 700 मुनियों का उपसर्ग निवारण स्वरूप विशाल पडगाहन महोत्सव हस्तिनापुर रूपी श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर मार्ग कमलानगर पर किया गया जहां तीन कम नौ करोड़ मुनिराजों का स्मरण कर कमलानगर एवं आस-पास के हर घर में 30 चौके लगाए गए जहां सभी ने नवधाभक्ति पूर्वक आहारचर्या कराकर असीम पुण्य का सचय किया इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,जगदीश प्रसाद जैन, राहुल जैन,रोहित जैन अंहिसा, अनिल जैन FCI, दिनेश जैन दीपचंद जैन, अनिल रईस,नरेश जैन लुहाड़िया, सुरेश जैन पांडया,मुकेश जैन रपरिया, अंकुश जैन,शैलेंद्र जैन, समकित जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,समस्त आगरा जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

क्या चूने का पान खाने से कैल्शियम की कमी को दूर किया जा सकता है?

चूने वाला पान खाने से कैल्शियम दूर नहीं होती क्योंकि जिस तरह पान बनाया जाता है उससे कैल्शियम की और कमी हो जाती है। आपको अगर पान खाना ही है तो पान और चूना वह भी आधा गेहूं के बराबर या गेहूं के एक दाने से ज्यादा नहीं होना चाहिए आप हफ्ते में एक बार खा सकते हैं। और यदि कैल्शियम की पूर्ति करनी है तो गेहूं के दाने के बराबर चूना वह भी मिट्टी के बर्तन में बनाए गए चुने लेकर गन्ने के ताजा जूस में मिलाकर एक महीना पीजिए कैल्शियम की भरपूर वृद्धि हो जाएग। सबसे महत्वपूर्ण बात बता रहा हूं जो कैल्शियम का सबसे महत्वपूर्ण सोर्स है। वह है 'सहजन': सहजन का काढा पिजिए कैल्शियम का इससे बढ़िया सोर्स प्रकृति में और किसी भी चीज में नहीं है। सहजन आपके पूरे बॉडी को प्यूरिफाई कर देगा। आपके ब्लड को साफ कर देगा। आपके घुटने का दर्द कमर का दर्द शरीर में हर जगह का दर्द को पूरी तरह ठीक कर देगा। सहजन अपने आप में कैल्शियम का समुद्र है। और कैल्सियम लेनी है तो तिल के लड्डू खाइए सफेद तिल हो या काले तिल हो। रोज एक लड्डू खा सकते हैं। सर्दियों में आप एक से दो बढ़ा सकते हैं। आप कैल्शियम लेना चाहते हैं तो दूध और दूध से बनी हुई सारी चीज बंद कर दीजिए क्योंकि इसमें कैल्शियम है परंतु गाय और भैंस के बछड़े के लिए है। मनुष्य के लिए नहीं है। मनुष्य का तो कैल्शियम खींच लेता है लेकिन इसके बारे में कोई डॉक्टर नहीं बतायेगा। यह बड़ा गुप्त रहस्य है। यह प्राकृतिक डॉक्टर ही बता सकता है। जो आयुर्वेद के डॉक्टर है जो प्राकृतिक डॉक्टर है वही बताएंगे। इसमें जो कैल्शियम है मनुष्य के शरीर का कैल्शियम खींच लेता है। इसलिए दूध और दूध से बनी हुई चीज छोड़ दीजिए आप समझ सकते हैं कि गाय और भैंस के अंदर कैल्शियम कहां से आता है। क्या वह दूध पीते हैं। नहीं, घास खाते हैं। हर एक चीज में कैल्शियम है आप हरी पत्तियां खाईए। हर पत्तियों का साग खाईए, इसमें भरपूर कैल्शियम है। गेहूं का ज्वारा, पालक मेथी का जूस पीजिए। इसमें भरपूर कैल्शियम है। आप कहां ढूंढ रहे हैं कैल्शियम। कैल्शियम पूरे प्रकृति में है। प्राकृतिक आहार लीजिए कैल्शियम की पूर्ति कीजिए।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

श्रमण संस्कृति की रक्षा का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व-आचार्य सुंदरसागर महाराज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। रक्षाबंधन पर्व भाई बहन के लिए कलाई पर राखी बांध लेने-देने का अवसर नहीं होकर सर्वस्व समर्पित कर देने का संदेश देने वाला प्रेम व वात्सल्य से भरपुर दिवस होता है। बहन को हमेशा विश्वास होता है कि दुनिया में कोई उसका साथ दे या न दे पर भाई उसका साथ नहीं छोड़ेगा। मां से भी बड़ा मामा होता है जो बहन की संतानों को भी योग्य बनाता है ओर मायरा भरता है। भाई-बहन के प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण भगवान कृष्ण द्वारा द्रोपदी के चीर को बढ़ा उसे अपमान से बचाना है। कोई भाई-बहन कषाय के कारण नहीं बोलते है तो इस दिन क्षमा मांग लेना चाहिए तभी ये पर्व मनाना सार्थक होगा। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक(वर्षायोग) प्रवचन के तहत सोमवार को रक्षाबंधन पर विशेष प्रवचन में राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। इस अवसर पर चातुर्मास आयोजक श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति की ओर से श्रावक-श्राविकाओं ने पूज्य आचार्यश्री के चरणों में चार फीट बड़ी राखी समर्पित की। प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि रक्षाबंधन का जैन धर्म में बड़ा महत्व है। इस पर्व पर मुनि रक्षा के लिए संकल्पित होकर अपना गुणस्थान चौथा बना सकते है। इस अवसर पर श्रावक-श्राविकाओं द्वारा 700 मुनियों को श्रीफल अर्पित किए गए। इससे पूर्व प्रवचन में आर्यिका संस्कृतिश्री माताजी ने कहा कि परिवारजन,भाईबंधुओं ओर धन की रक्षा करने से हमारा कर्तव्य पूरा नहीं हो जाता। देव,शास्त्र व गुरू की भी रक्षा करनी है।

जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रुत पंचमी पर 11जून से 16 जून तक आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया है। विजेताओं में सुलोचना जैन, खुशबू बड़जात्या, विजया जैन, मोहित जैन सवाई माधोपुर; सीमा पांड्या, सुनीता पांड्या, नीरू पांड्या, पिंकी जैन दुगार्पुरा, सविता जैन,मालवीय नगर, जयपुर; उषा जैन, दांतारामगढ़ सम्मिलित है ।सभी के 46/46 प्राप्तांक है। इस प्रतियोगिता में टोंक, सवाईमाधोपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर, दांतरामगढ़, तेंदुखेड़ा, दिल्ली, फरीदाबाद, रेवाड़ी, बागपत, देहरादून, सहारनपुर, हरिद्वार, गाजियाबाद, इंदौर, जबलपुर, धूलिया, नांदेड़, शोलापुर, निंबलक, जलगांव, बुलड़ाना, पुणे, पांडिचेरी, बंगलौर, गुवाहाटी, तिरुवल्लूर, गारला तेलंगाना आदि देश के विभिन्न स्थानों से 140 प्रतिभागियों ने भाग लेकर जिनवाणी के प्रति अपनी रुचि दर्शाई।

रक्षाबंधन पर्व एवं श्रेयांश नाथ भगवान का मोक्ष कल्याण बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाडा ।परम पूज्य आर्यिका श्री पवित्र मति माताजी के सानिध्य में आज रक्षाबंधन पर्व एवं श्रेयांशनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया। प्रातः 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर सुखोदय तीर्थ नसियाजी जी में विशेष शांति धारा अभिषेक हुए। अभिषेक के बाद माता जी के सानिध्य में चातुर्मास पंडाल मे श्री जी का 108 कलशो से उपस्थित सभी साधमीयों द्वारा माता जी के मुखारविंद से अभिषेक किया गया ।इस अवसर पर पंडाल पूरा भरा हुआ था पुरुष सफेद वस्त्र में एवं महिलाए केसरिया वस्त्र में श्रेयांसनाथ भगवान की पूजन के अर्घ बड़े भक्ति भाव से वाद्य यंत्रों के मधुर स्वर लहरों के साथ नाचते गाते हुए चढाये। विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी जयपुर से पधारे अभिषेक शास्त्री वीणा दीदी का सहयोग प्राप्त हुआ ।गत तीन दिवसीय रक्षाबंधन विधान का आयोजन चल रहा था उस विधान में माताजी के सानिध्य में मांडला पर मंगल कलश एवं लघु पीछी व मंगल कमंडल विराजमान किए थे उसका बोली के माध्यम से चयन किया गया उसको प्राप्त करने का सौभाग्य शाह गिरीश चंद्र बदामीलाल परिवार को प्राप्त हुआ एवं रक्षाबंधन के उपलक्ष में भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याण का निर्वण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य पिंडारमिया राजेश छगनलाल को प्राप्त हुआ । इंदौर से पधारे हुए रमेश भाई को प्राप्त श्रावक श्रेष्ठि बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।इस अवसर पर माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि रक्षाबंधन पर्व उन 700 मुनियो की रक्षा का पर्व है आज ही के दिन हस्तिनापुर नगर में 700 मुनियों पर उपसर्ग आया था और यह उपसर्ग आज दूर हुआ था उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया जा रहा है सभी एक दूसरे को परिवार जनों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षा करने का भाव बनाते हैं इस अवसर पर सभी श्रावक श्रेठीयो को एवं बाहर से पधारे हुए बंधुऔ का चातुर्मास समिति अध्यक्ष निलेश जैन उपाध्यक्ष राजेंद्र गांधी उपाध्यक्ष नरेश जैन वर्धमान हॉस्पिटल के प्रोपराइटर धनपाल जैन रतनलाल जैन ने सभी अतिथियों का दुपट्टा उड़ा कर पगड़ी पहनकर स्वागत अभिनंदन किया।

श्री सम्मेद शिखरजी तीर्थ वंदना के लिए 1150 श्रद्धालु जाएंगे

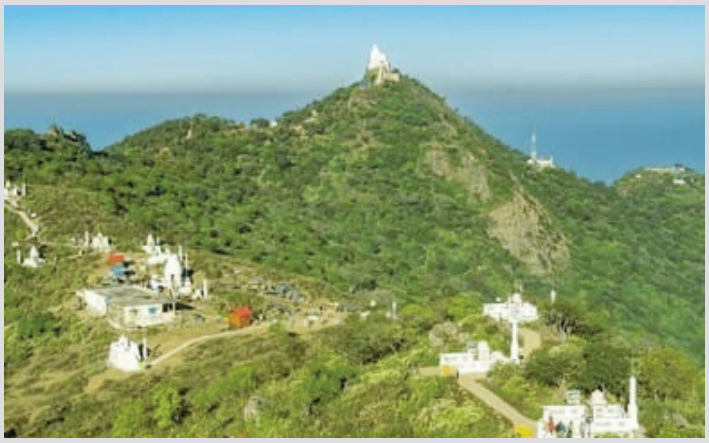

टोंक. शाबाश इंडिया

झारखंड राज्य में महातीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी के लिए बालाचार्य निपूर्णनंदी जी महाराज ससंघ के पावन प्रेरणा एवं मंगलमय आशीर्वाद से 28 व 29 अगस्त को दो समूह में 1150 यात्री सम्मेद शिखरजी के लिए रवाना होंगे। पदमपुरा पद यात्रा संघ के हुकम चंद देवली वाले एवं पदम चंद कंटान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी पदमपुरा पद यात्रा संघ के तत्वावधान में 16वी बार 28व29को दो समूह में लगभग 1150 यात्रियों के जत्थे श्री दिगंबर जैन नसिया से रवाना होंगे जो जयपुर से रेल द्वारा इसरी पारसनाथ होते हुए मधुबन पहुंचेंगे। जहां पर 1 सितंबर को सामूहिक रूप से 27 किमी के पर्वत पर चरण वंदना के लिए छड़ेंगे। संघ के सुनील आड़रा ने अवगत कराया कि संघ कार्यालय में प्रतिदिन यात्रा की तैयारी हेतु मीटिंग आयोजित की जाती है, जिसमे वीरेंद्र शिवाड़िया, सुनील आंडरा, राजेश बोरदा वाले मनोज फागी, सुनिल कपड़े, राजेश हाड़ीगाव, अशोक श्यामपुरा, रमेश गोटा मोनू छामुनिया संदीप देवली आदि संघ के लोग मीटिंग आयोजित करके यात्रा को सफल बनाने की तैयारी की जा रही है।

श्रावण माह के अंतिम सोमवार को शिवालयों में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

हर-हर महादेव ओम नमः शिवाय से गुंजायमान हुआ शिवालय

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को प्रतापनगर के शिव मंदिर में भक्तों का जनसैलाब उमड़ा। श्रद्धालुओं ने प्रातः कालीन बैला से ही भगवान शंकर के शिवालयों में मंत्रों के साथ पूजा अर्चना की। शिवालयों में दिनभर पूजा पाठ व अनुष्ठान के कार्यक्रम आयोजित हुए। अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि मंदिर जी में ओम नमः शिवाय व महामृत्जुंजय के श्लोक से पुरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। समाजसेवी पारस जैन व सोनू जैन के नेतृत्व में शिवलिंग की पूजा अर्चना की साथ ही बिल पत्र, धतूरे के पुष्प अर्पित किए और जल, दुध, दही, शहद आदि से मंत्रोच्चारण के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने शिव की आराधना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

वेद ज्ञान

ईश-कृपा

स्वाभाविक रूप से सभी प्राणियों पर प्रभु सदैव कृपा करते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह सहज कृपाला दीनदयाला हैं। प्रत्येक प्राणिमात्र पर वह कृपा करते हैं। वह कृपानिधान कृपा की दिव्य अलौकिक मूर्ति हैं। उन कृपामय की अनवरत अक्षुण्ण रूप से प्रवाहित कृपाधारा में सभी अवगाहन कर सकते हैं। ईश्वर की कृपाधारा में देश, काल, पात्र की अपेक्षा नहीं की जाती। मनुष्य इस प्रकार की सर्वसुलभ कृपा की गंगा में गोते लगाकर अपने को पवित्र नहीं कर पाता। मोह, अविद्या के अंधकार से घिरा व्यक्ति उसके समीप भी नहीं जाता। हमको यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रतिक्षण अनुभव में आने वाली भगवत्कृपा सुधामय प्राणी का प्राण है। कृपामय जीवन ही वास्तविक जीवन है, सफल और कृतकृत्य है। प्रभु की मनुष्य मात्र पर बरसती कृपा का स्वरूप क्या है? इसके उत्तर में यही कहा जा सकता है कि सबसे पहले तो मनुष्य-शरीर की प्राप्ति ही उनकी कृपा का परिणाम है। भारत-भूमि में जन्म, स्वस्थ शरीर, शुद्ध धनोपार्जन, तीर्थों की उपस्थिति, सत्संग और कीर्तन-भजन आदि उन्हीं की कृपा का प्रतिफल है। प्रभु की कृपा अनुकूल-प्रतिकूल समस्त परिस्थितियों में निहित है। अनुकूल परिस्थितियों में वह है ही, किंतु प्रतिकूलता में छिपी ईश-कृपा उस कटु दवा के समान है, जो सेवनकाल में अप्रिय प्रतीत होते हुए भी परिणाम में सुखद है। भगवत्प्राप्ति साधन-साध्य नहीं, बल्कि कृपासाध्य है। साधनों का त्याग कदापि अभिलक्षित नहीं है, जैसे ढके हुए पात्र में वर्षा का जल नहीं भर सकता, ठीक उसी प्रकार कृपा से लाभान्वित होने के लिए साधनों से यथासंभव मुख नहीं मोड़ना चाहिए। कृपा अभिलाषी बने रहना मानवमात्र के लिए अभीष्ट है। कृपा-अभिलाषिता का स्वरूप कैसा हो? अपने अभिमान को पूर्णतया भूलकर सतत-साधन स्वरूप स्वधर्म का पालन करते हुए प्रभु-कृपा की बाट जोहना। साधक यह विश्वास रखे कि प्रभु ही इसका कर्ता-धर्ता है, उनकी अहैतुक कृपा से ही हमारा अस्तित्व है और भविष्य में भी उनकी कृपा रहेगी। कृपा-साधक को स्नेहमयी भगवत्कृपा की प्राप्ति के लिए सदैव उत्कंठित और लालायित बने रहना चाहिए। इसे इसी तरह समझना चाहिए कि इस मंत्र को आत्मसात किए बिना किसी भी तरह की मुक्ति संभव नहीं।

संपादकीय

रेल हादसे आए दिन की बात हो गए हैं...

अब तो रेल हादसे जैसे आए दिन की बात हो गए हैं। पिछले दो महीने में शायद ही कोई हफ्ता बीता हो, जब कहीं न कहीं कोई बड़ी रेल दुर्घटना न हुई हो। शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को साबरमती एक्सप्रेस के बाईस डिब्बे पटरी से उतर गए। गनीमत है, उसमें कोई हताहत नहीं हुआ। हादसा कानपुर के पास रात के करीब ढाई बजे हुआ, जब गाड़ी में ज्यादातर लोग सो रहे थे। ट्रेन चालक का कहना है कि इंजन किसी भारी चीज से

टकराया, वह जब तक गाड़ी रोकता, डिब्बे पटरी से उतर चुके थे। तस्वीरों में साफ देखा जा रहा है कि इंजन के आगे जानवरों आदि से सुरक्षा के लिए लगा लोहे का हिस्सा टकरा कर टूट चुका है। समझना मुश्किल है कि इतना भारी पत्थर रेल की पटरियों पर आया कैसे। अगर कोई पहाड़ी इलाका होता, तो माना जा सकता था कि ऊपर से खिसक कर पत्थर वहां आ गया होगा। खैर, सच्चाई तो जांच के बाद पता चलेगी, पर असल सवाल जस का तस बना हुआ है कि आखिर रेल सुरक्षा को लेकर कब मुसाफिरों में भरोसा बन सकेगा। वर्षों से ट्रेनों में टक्कररोधी उपकरण लगाने और पटरियों को अधिक सुगम बनाने की योजना पर काम चल रहा है। वर्तमान सरकार ने कवच नामक उपकरण विकसित किया, जिसे लगाने के बाद गाड़ियों में हादसों की आशंका शून्य होने का दावा किया जाता रहा है। मगर अभी तक यह प्रणाली कुछ ही जगहों पर लग पाई है। ट्रेनों के संचालन को कंप्यूटरीकृत करने पर जोर है, बहुत सारे रास्तों पर यह काम भी करता है। मगर कई हादसों में देखा जा चुका है कि सिग्नल प्रणाली ठीक से काम न करने की वजह से गाड़ियां आपस में टकरा गईं, तो कहीं किसी गाड़ी को गलत पटरी पर रवाना कर दिया गया। एक ही पटरी पर दो विपरित दिशाओं से गाड़ियों के आने के भी उदाहरण हैं। गाड़ियों के पटरी से उतरने की वजहें छिपी नहीं हैं। यात्रियों का दबाव कम करने के मकसद से हर वर्ष कुछ नई गाड़ियां चला दी जाती हैं। त्योहारों के वक्त विशेष गाड़ियां भी चलाई जाती हैं। फिर, माल ढुलाई के लिए रेल यातायात पर दबाव लगातार बढ़ता गया है। मगर पटरियों की क्षमता का आकलन ठीक से नहीं किया जाता। देश की ज्यादातर पटरियां अपनी क्षमता से अधिक भार वहन कर रही हैं। ऐसे में दबाव पड़ने से उनमें टूटन स्वाभाविक है। पिछले वर्षों में रेलवे स्टेशनों को चमकाने पर जोर तो खूब दिया गया। इसमें निजी कंपनियों को भी शरीक किया गया। रेल भाड़े में बढ़ोतरी की गई, वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट समाप्त कर दी गई। इस तरह रेलवे का मुनाफा बढ़ाने का हर प्रयास किया गया। मगर रेल सुरक्षा के मामले में स्थिति दयनीय बनी हुई है। अब भी रेलों में महिलाओं के साथ दुष्कर्म, चोरी और लूट जैसी घटनाएं रुक नहीं पाई हैं। रेलों के समय पर न पहुंचने को तो जैसे लोगों ने सहज स्वीकार कर लिया है। मगर मुसाफिरों को जब यही भरोसा न हो कि वे जिस गाड़ी में बैठे हैं, वह सही-सलामत अपने गंतव्य तक पहुंच जाएगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मानसून में आफत

मानसून में बाढ़ से देश के अलग-अलग इलाकों में जैसी तबाही सामने आने लगी है, उसकी वजह नदियों में उफान और पानी का बेलगाम हो जाना है। अगर बाढ़ से बचाव के इंतजामों पर समय रहते ध्यान दिया जाए, तो इसकी वजह से जानमाल के व्यापक नुकसान से बचा जा सकता है। यह अफसोसनाक है कि जिन राज्यों में पिछले कुछ वर्षों में बाढ़ की वजह से व्यापक तबाही मची है, उनमें से कई राज्य सरकारों की चिंता में यह पक्ष शामिल नहीं रहा कि बाढ़ से होने वाले नुकसानों से बचाव के इंतजाम पहले ही कर लिए जाएं। नतीजतन, कई राज्यों में बरसात के मौसम में उफनने वाली नदियां भारी कहर ढाती हैं और व्यापक पैमाने पर जानमाल का नुकसान होता है। यों कुदरती आपदाओं से बचाव में लापरवाही को लेकर सरकारों के रुख पर अक्सर वाल उठते रहे हैं, अब जल शक्ति मंत्रालय की लोकलेखा समिति ने भी राज्यों के रवैये पर सवाल उठाया है। गौरतलब है कि जल शक्ति मंत्रालय की बाढ़ नियंत्रण एवं पूवार्नुमान के लिए योजनाओं की लोकलेखा समिति की एक रपट में पश्चिम बंगाल सहित आठ राज्यों में बाढ़ प्रबंधन कार्यों में दस से तेरह महीनों की देरी को लेकर सवाल उठाया गया है। समिति के मुताबिक, इस देरी की वजह से वास्तविक वित्तपोषण के समय तकनीकी डिजाइन अप्रासंगिक या अप्रचलित हो गए। इस प्रवृत्ति के नतीजे में योजनाओं की लागत में भी भारी इजाफा हो जाता है। यह हैरानी की बात है कि जब बाढ़ प्रभावित इलाकों में तबाही आती है, जानमाल का व्यापक नुकसान होता है, तब संबंधित राज्य सरकारें इसे प्राकृतिक आपदा बताती और इसके लिए वित्तीय सहायता की मांग करती हैं। मगर यह समझना मुश्किल नहीं है कि अगर बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्यों में करीब एक वर्ष तक की देरी की जाती है, तो उसके नतीजे क्या होंगे। यह सही है कि बाढ़ एक

प्राकृतिक आपदा है, लेकिन अगर इससे उपजने वाली समस्याओं के संदर्भ में जरूरी प्रबंधन समय पर सुनिश्चित किए जाएं तो नुकसान को काफी कम किया जा सकता है। मगर बाढ़ प्रबंधन के मामले में खुद राज्य सरकारें समयबद्धता का ध्यान न रखें तो नतीजों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सावन भादो उत्सव व स्वतंत्रता दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर सचिवालय बिहार नगर के सामुदायिक केंद्र में दिगम्बर जैन सोशल विराट के मुख्य सयोजन में क्रिएटिव वूमेन समिति एवं लीनेस क्लब जयपुर एंजेल द्वारा सावन भादो एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। मुख्य संयोजक अंजना अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर प्रसिद्ध व्यवसाई विजय दुधोडिया व बसंत जैन बैराठी मुख्य अतिथि थे। साथ ही लीनेस क्लब की मेंटर स्वग्रही माओ जैन, प्रसिद्ध गायिका एवं शिक्षाविद दोसा से ललित खींची ,प्रसिद्ध मॉडल एवं नेशनल मिसेज इंडिया पार्टिसिपेंट पूजा शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे थे ' मुख्य आकर्षण 5 वर्षीय अर्विक बैराठी सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में पधारे थे ' कार्यक्रम की रूपरेखा प्रसिद्ध कोरियोग्राफर 18वर्षीय युवा वेदांशी अग्रवाल ने तैयार की थी ' इस अवसर पर महिलाओं ने फैशन शो प्रस्तुत किया ' नृत्य और गायन पेश किया ' बालिकाओं ने भी नृत्य एवं गायन प्रस्तुत किया इस अवसर पर विजेताओं को मुख्य अतिथि विजय दूधोड़ियां बसंत जैन पूजा शर्मा ललिता खींची स्वग्रही माओ ,अंजना अग्रवाल द्वारा विजेताओं को पुरस्कार व गिफ्ट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के पद पर बसंत जैन ने बोलते हुए कहा कि हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं महिलाओं में उनकी प्रतिभाओं को निखार कर आगे लाना है साथ ही को बहुत ही अच्छी प्रस्तुति को प्रदेश व देश में बड़े मंच उपलब्ध कराना हैं ' कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेवी एवं व्यवसायि संजय झवर, नरेंद्र उपाध्याय व स्थानीय नागरिक विकास समिति के अध्यक्ष शिवराज सिंह ,सचिव अशोक टेलर व कोषाध्यक्ष शंकर लाल कुमावत ,सत्येंद्र सिंह जादौन ,अरुणा टांक विशेष रूप से आमंत्रित थे। इससे पहले आयोजक गणों अंजना अग्रवाल व बसंत जैन ने सभी अतिथियों को दुपट्टा साफा पहना कर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया ' वेदांशी अग्रवाल ने सभी को पुष्प गुच्छ भेंट किए ' समारोह को आकर्षित बनाने के लिए झूले भी लगाए गए ' दौसा से पधारी ललिता ने देश भक्ति गीत गाकर सबको स्वतंत्रता दिवस के माहोल में झूमने के मजबूर कर दिया ' वेदांशी अग्रवाल ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। तालियो से हॉल गूंज उठा उनके उनके शानदार नृत्य पर कार्यक्रम के सुंदर आयोजन करने पर मुख्य अतिथि बसंत जैन ने स्मृति चिन्ह देकर व दुपट्टा पहना कर शानदार अभिनंदन किया' अंजना अग्रवाल व पुष्पा मंगल ने आगे बताया कि कार्यक्रम में और सुंदर बनाने के लिए महिलाओं को रोचक गेम्स खिलाए गए जिनका आनंद सभी ने लिया। विजेताओ को पुरस्कार से नवाजा गया ' मुख्य अतिथि कार्यक्रम के प्रेरणा स्त्रोत बसंत जैन ने स्थानीय समिति का, अंजना अग्रवाल व संयोजकगण निर्मला नामा,निर्मला शर्मा, प्राची माथुर , अलका श्रीवास्तव , प्राची कुमावत आभार प्रकट किया तथा आगे भी ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने पर अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया।

जैनाचार राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी संपन्न

सूरजमल विहार दिल्ली में आचार्य श्री सौरभसागर जी महाराज के सान्निध्य में विद्वानों ने प्रस्तुत किए आलेख

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री सौरभसागर जी महाराज के सान्निध्य में 17 व 18 अगस्त 2024 को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैनाचार संहिता विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी के निर्देशक डॉ. नरेंद्र कुमार जैन टीकमगढ़ व संयोजक पंडित संदीप जैन 'सजल' रहे। संगोष्ठी में चार सत्र सम्पन्न हुए। 17 अगस्त को प्रातःबेला में प्रथम उदघाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़ ने तथा संचालन पंडित संदीप जैन सजल ने किया। चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन के साथ सत्र शुरू किया गया। इस सत्र में डॉ. पंकज जैन इंदौर ने -जैनाचार संहिता में विवाह का शास्त्रीय चिंतन, और डॉ. शैलेश जैन बाँसवाड़ा-पुरूषार्थ चतुष्टय जैनाचार संहिता के संदर्भ में विषय पर आलेख प्रस्तुत किए। दोपहर में आयोजित द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. पंकज जैन इंदौर और सत्र संचालन डॉ. राजेश जैन ललितपुर ने किया। इस सत्र में डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने - जैनाचार संहिता में आए तीर्थंकरों के प्रसंग, पंडित सुनील सुधाकर सागर -मृत्यु भोज उचित या अनुचित जैनाचार संहिता के संदर्भ में, डॉ आशीष जैन बम्होरी-आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज की गुरु परंपरा, डॉ. ममता जैन पुणे-जैनाचार संहिता के संदर्भ में महिलाओं का दायित्व ने आलेख प्रस्तुत किए। 18 अगस्त को प्रातः तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने तथा सत्र का संचालन पंडित सुनील सुधाकर सागर ने किया। इस सत्र में डॉ. नरेन्द्रकुमार जैन टीकमगढ़ ने धर्म का स्वरूप और उसकी उपयोगिता जैनाचार संहिता के संदर्भ में, डॉ. आशीष जैन आचार्य शाहगढ़-जैनाचार संहिता में दिव्यध्वनि और उसकी भाषा का चिंतन, डॉ. राजेश शास्त्री ललितपुर - सूतक-पातक जैनाचार संहिता के सन्दर्भ में विषय पर अपने आलेख प्रस्तुत किए। दोपहर में समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़ व संचालन डॉ. आशीष शास्त्री बम्होरी ने किया। इस सत्र में डॉ. सोनल कुमार जैन दिल्ली ने -जन्मदिन जैनाचार संहिता के संदर्भ में, पंडित अरुण शास्त्री जबलपुर-दिगम्बर जैनाचार्यों द्वारा वर्णित जैनत्व के संस्कार जैनाचार संहिता के संदर्भ में, पंडित संदीप 'सजल'-आचार्य श्री सौरभसागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर अपने आलेख प्रस्तुत किए। इस अवसर पर परम पूज्य आचार्य श्री सौरभसागर जी महाराज ने कहा कि जैन होना बहुत सरल है जैनी होना बहुत कठिन है। आप में संस्कार रहेंगे तो संस्कृति रहेगी। संस्कारों का होना बहुत जरूरी है। जैन तो जन्म से हो कर्म से जैनी बनो। आज संस्कार खंडित होते जा रहे हैं। विद्वानों को आशीर्वाद देते हुए उन्होंने कहा कि नवीन चिंतन, विश्लेषण करते रहें, निरंतर और अधिक गति से जिनवाणी की सेवा में जुटें। युवा विद्वान तैयार हो रहे हैं यह खुशी की बात है। शास्त्र को शस्त्र न बनाएं। शास्त्र की गहराइयों में जाएंगे तो मोतियों सा जीवन पाएंगे। जैनाचार संहिता में संस्कार और संस्कृति भरी पड़ी है। जीवन में आचरण आ जायेगा तो अध्यात्म अपने आप आ जायेगा। वस्तु का स्वभाव धर्म है, व्यक्ति का चारित्र धर्म है, दया भाव से युक्त जीव ही धर्म से पूर्ण है। धर्म सुख का भंडार है। बच्चों के जन्मदिन पर मंदिर लाएं, पूजा विधान अभिषेक करें और व्युष्टि संस्कार कराएं। सदैव जैनी, जैनी के साथ भाईचारा रखें। संगोष्ठी का आयोजन पुष्प वर्षायोग समिति व सकल दिगम्बर जैन समाज सूरजमल विहार दिल्ली के तत्वावधान में किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष संजीव जैन, उपाध्यक्ष मनोज जैन, राजेश जैन, महामंत्री रमेश चंद्र जैन, उपमंत्री अजय जैन , अविनाश जैन , कोषाध्यक्ष अरुण जैन आदि ने संगोष्ठी में समागत सभी विद्वानों को माला, तिलक, सम्मान पत्र, साहित्य आदि भेंटकर गरिमापूर्ण सम्मान से सम्मानित किया। संगोष्ठी के निर्देशक डॉ. नरेन्द्र कुमार जी टीकमगढ़ ने परम पूज्य आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज के सान्निध्य में ही भगवान महावीर स्वामी के 2550वे निवाणोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में णमोकार मंत्र पर एक संगोष्ठी आगामी समय में करने की घोषणा की। जिसकी विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी।

रक्षाबंधन पर्व एवं श्री श्रेयांशनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में रक्षाबंधन पर्व एवं श्री श्रेयान्सनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रचार- प्रसार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि आज प्रातः सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक कर चांदमल जैन एवं लक्ष्मीकांत जैन ने शांतिनाथ भगवान एवं विनय कुमार जैन नेमीचंद जैन नसीराबाद वाले ने श्री पार्श्वनाथ भगवान पर शांतिधारा की। इस उपरांत निर्वाण कांड के पाठ द्वारा श्री श्रेयांसनाथ भगवान के मोक्ष निर्वाण लाडू सामूहिक रूप से चढ़ाया गया। महिलाओं ने बधाई गीत के साथ नृत्य किया। श्रावक-श्राविकाओं ने श्री श्रेयांशनाथ भगवान कि एवं रक्षाबंधन पर्व की पूजा-अर्चना कर अर्ग समर्पण किये। समापन पर सभीजनों ने एक दूसरे के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर भाई-चारे का संदेश दिया। इस अवसर पर कई धर्मालूगण उपस्थित थे।

तीर्थंकर श्रेयांश नाथ के निर्वाणोत्सव का लाडू चढ़ाकर जिन धर्म रक्षा के संकल्प के साथ रक्षासूत्र बांधकर मनाया गया वात्सल्य पर्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में सोमवार को भगवान के श्री चरणों में विश्व शांति की भावना के साथ तीर्थंकर श्रेयांश नाथ के मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया तथा उसके बाद जिन धर्म रक्षा के संकल्प के साथ रक्षा सूत्र बांधे गए। प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर श्रेयांश नाथ के मोक्ष कल्याण के अवसर पर अभिषेक शान्तिधारा व पूजन के बाद न्याय दिवस के रूप में उत्सव मनाते हुए भक्त जनों द्वारा निर्वाण कांड का वाचन कर अर्घ्य बोलते हुए जयकारों के साथ निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। इसके बाद जिनधर्म की रक्षा व वात्सल्य के पर्व रक्षा बन्धन पर मन्दिर जी में रखे रक्षा सूत्र को श्री जी के समक्ष बाँध कर जिन धर्म व श्रमण की रक्षा का संकल्प लेते हुए आपसी वात्सल्य भावना के साथ आपस में जय जिनेंद्र करते हुए रक्षा बन्धन पर्व मनाया गया।

पट्ट गणिनी आर्यिका विमलप्रभा माताजी के सानिध्य में मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

श्रेयांश नाथ भगवान को चढ़ाया गया निर्वाण लाडू

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूजनीय पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी एवम संघस्थ आर्यिका 105 श्री विजय प्रभा माताजी, क्षुल्लिका 105 श्री विनीतप्रभा माताजी, क्षुल्लिका 105 श्री सुमैत्री श्री माताजी संघ सन्निध्य में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया पर्व के अंतर्गत सर्वप्रथम श्री जी का अभिषेक शांति धारा नित्य पूजन के उपरांत श्रेयांश नाथ भगवान का पूजन, अकंपनाचार्य आदि 700 मुनियों की पूजन भक्ति भाव के साथ मूल नायक शांतिनाथ भगवान के समक्ष की गई पूजन उपरांत निर्वाणकांड बोलते हुए अर्ध समर्पण कर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया जिसे विशेष रूप से बनाया गया था। इसके उपरांत मंदिर की में विशेष रूप से सजाई गई राखी बांधी गई। मंदिर में इस आयोजन को लेकर काफी उत्साह था। इसके उपरांत पद्मावती माता को भी राखी समर्पित की गई। इस अवसर पर पूज्य गुरु मां की पिच्छिका पर भी भक्तों ने रक्षा सूत्र बांधकर गुरु मां की एवं धर्म की साधु संतों की सेवा का संकल्प लिया। इस पुनीत बेला में पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी ने रक्षाबंधन के पर्व पर इसके महत्व को बताते हुए कहा कि हम आज रक्षाबंधन पर्व मना रहे हैं, रक्षाबंधन के साथ-साथ आत्म धर्म की भी रक्षा करो। दीपावली, महावीर जयंती व्यक्ति विशेष पर है लेकिन रक्षाबंधन पर्व एक विशेष पर्व है। रक्षाबंधन पर्व स्वर्णिम संस्कृति एवं इतिहास को प्रेरित करता है। जैन दर्शन में रक्षाबंधन पर्व का विशेष महत्व है इस पर्व के दिन 700 मुनियों का उपसर्ग दूर हुआ था। मुनि धर्म सुरक्षित है तो श्रावक धर्म भी सुरक्षितहै। मुनि धर्म से ही एवं मुनियों से ही श्रावक को धर्म का ज्ञान होता है। इस पर्व को राष्ट्रीय सांस्कृतिक पर्व भी

कहते हैं। रक्षाबंधन पर्व वात्सल्य की भूमिका देता है भाई बहन का रिश्ता पवित्र होता है। यह पर्व हमें रोशनी देता है जिसे हम भुला नहीं सकते। यह एक महापर्व है जो सिद्धांत सामाजिक रीति से जुड़ा हुआ है। यह रक्षा सूत्र है और रक्षा सूत्र के साथ धर्म के सूत्र से साथ संयम एवं ब्रह्मचर्य के सूत्र से बंधना चाहिए वात्सल्य अंग सम्यक दर्शन का प्रतीक होता है। जो त्यागी व्रती की आराधना करता एवं नगर में उनके आने पर उनकी सेवा करता है यह वात्सल्य अंग को दशार्ता है। पूज्य माताजी ने कहा कि जिन धर्म जिन शासन वह सूत्र है उसके प्रति संकल्पित हो तभी यह रक्षाबंधन बनाना सार्थक होगा।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

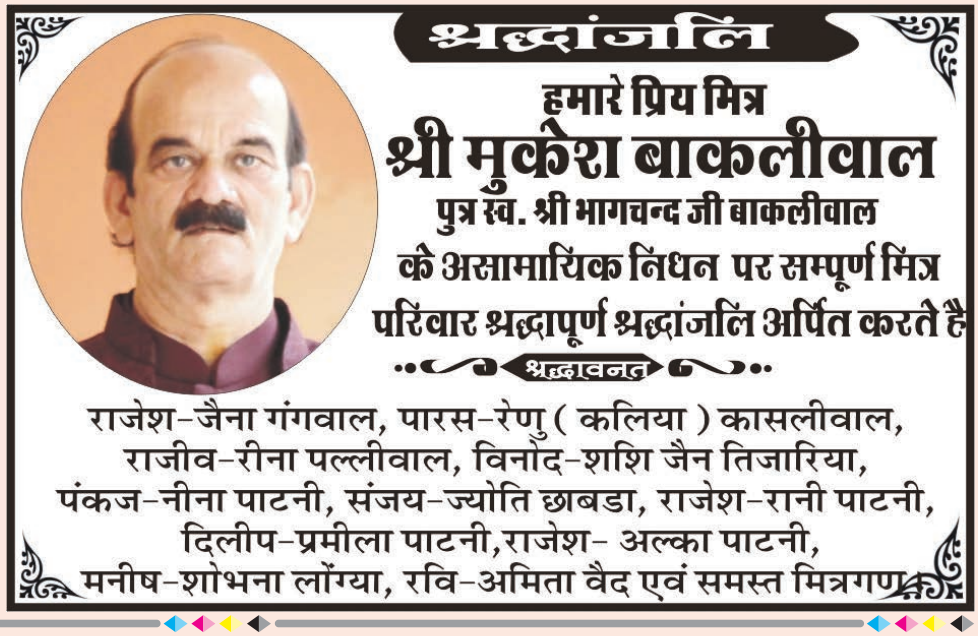

रोटरी क्लब-जयपुर ने मनाया विश्व फोटोग्राफी दिवस

फोटो जर्नलिस्ट्स के बेस्ट मोमेंट देख रोमांचित हुए रोटेरियन

जयपुर. शाबाश इंडिया। 'विश्व फोटोग्राफी दिवस उन सभी फोटोग्राफर्स के जज्बे और सतत साधना को समर्पित है जिन्होंने छायांकन कला से दुनिया की खूबसूरती को कैमरे में कैद किया। इस कला को अपना पैशन बनाया और अपने कैमरे से बेहतरीन तस्वीर खींचकर लोगों को अपने हुनर से परिचित कराया। जो लोग अपनी बात शब्दों के जरिए नहीं कर सकते उनके लिए फोटोग्राफी बहुत अच्छा विकल्प है।' यह कहना था रोटरी क्लब जयपुर अध्यक्ष गिरधर माहेश्वरी का। वे विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर चर्च रोड स्थित रोटरी सभागार में बोल रहे थे। इस खास मौके पर राज्य के वरिष्ठ छायाकार अजय सोलोमन तथा फोटो आर्टिस्ट रामसिंह चौहान को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान रोटेरियन प्रशांत पाल, शांतिलाल गंगवाल, आर के शर्मा, जे डी माथुर, मोजेज फिलोमन और उजास जैन ने इनको प्रशस्ति पत्र, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक पूर्व अध्यक्ष प्रदीप सिंह राजावत ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर के वरिष्ठ फोटोग्राफर सुरेन्द्र जैन पारस व टाइम्स ऑफ इंडिया के छायाकार भागीरथ बस्नेत और उदयपुर के वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' का स्लाइड शो भी हुआ, जिसमें बेस्ट मोमेंट फोटो प्रदर्शित। कार्यक्रम संचालन शिल्पा बेन्द्रे और सहयोग सोनाली बेंद्रे ने किया। रोटेरियन नवीन कोठारी ने आभार व्यक्त किया। **रिपोर्ट/फोटो : दिनेश शर्मा**

राष्ट्रीय कवि संगम इकाई मुंगेली के तत्वावधान में भव्य काव्य गोष्ठी और सम्मान समारोह आयोजित

मुंगेली. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय कवि संगम इकाई मुंगेली, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में दिनाँक 18 अगस्त 2024 को ऑनलाइन संयुक्त महापर्व स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। सर्वप्रथम विद्या की देवी माँ सरस्वती की वंदना राकेश अयोध्या बिलासपुर ने प्रस्तुत किये। इस काव्य गोष्ठी के मुख्य अतिथि कवयित्री आशी प्रतिभा दुबे ग्वालियर, मध्यप्रदेश, विशिष्ट अतिथि कवयित्री नंदिता माजी शर्मा मुंबई, महाराष्ट्र और कवयित्री मुस्कान केशरी मुजफ्फरपुर, बिहार, अतिथि कवि विनोद डड़सेना बिलाईगढ़, और डॉक्टर अलका यादव बिलासपुर थे। इस समारोह की अध्यक्षता और मंच संचालन जिला अध्यक्ष अशोक कुमार यादव के द्वारा किया गया। आमंत्रित कवि एवं कवयित्रियाँ- रश्मि अग्रवाल बिलासपुर, अनिल जायसवाल बिलासपुर, कुश कुमार साहू बलौदाबाजार, रामा साहू संयम मुंगेली, मुकेश कुमार सोनकर भाठागाँव रायपुर, रतन कीर्तनिया पंखाजूर कांकेर, सुरेश कुमार बन्छोर पाटन भिलाई, संजय कुमार श्रीवास्तव खीरी उत्तरप्रदेश, सागर केशरवानी नवागाँव घुठेरा मुंगेली, जितेंद्र कुमार वैष्णव लोरमी, ललिता यादव बिलासपुर, विभा नविशा सोनी मुंगेली, वरिष्ठ कवि जी.पी. जायसवाल बिलासपुर, ओ. पी. कौशिक रतनपुरिहा पेंड्रा, अनिल जाँगड़े सरगाँव मुंगेली, बलराम यादव देवरा मध्यप्रदेश, लेखचंद सोनवानी दाबो और वीरेंद्र कुमार साहू दुर्ग सहित सभी साहित्यकारों ने देश भक्ति गीत, राखी के त्यौहार, विश्व गुरु प्रभु श्रीकृष्ण, सावन आगे, भाई-बहन का प्यार, झाँसी की रानी, स्त्री शिक्षा, भोलेनाथ शिव शंभू, छत्तीसगढ़ी ददरिया, नारी पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार पर रोक और न्याय, तिरंगा और वतन के रखवाले शीर्षक के तहत हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी में एक से बढ़कर एक कविता प्रस्तुत किए। सभी साहित्यकारों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन जिला अध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने किये।

भगवान श्रेयांस नाथ जी का मोक्ष कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 भगवान श्रेयांस नाथ जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर बड़े ही भक्ति भाव से अभिषेक शांति धारा और निर्वाण लड्डू चढाया गया ।ट्रस्टी देवेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सोभाग्य तथा प्रथम अभिषेक, शांति धारा का पुण्यार्जक परिवार कमल किशोर जी, पंकज जी छाबड़ा परिवार ने प्राप्त किया। इस अवसर पर शान्ति, पवन, प्रकाश, कल्याण मल, राजेन्द्र एवं नरेश और समाज के श्रेष्ठी गण उपस्थित रहे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

अब तो बहिन को वो ही भाई-भाये..
जो बहिन के लिये-मन पसंद तोहफा लाये..!

उत्सव के नाम पर बिक रहे हैं त्यौहार। भाई बहन के त्योहार भी अब व्यापार बन गये। रक्षाबंधन के रंग में बाजार सजा हुआ है। पहले हम पंचांग देखकर पता करते थे, अब विज्ञापन बता देते हैं, कल कौन सा त्यौहार आने वाला है? पहले हम अपनी परम्पराओं से त्यौहार निर्धारित करते थे, अब हमारी परम्पराओं का निर्धारण बाजार करता है। इसलिए तो मिठाई की जगह अब चॉकलेट ने ले ली है। बाजार ने त्यौहार का प्रोटोकॉल तय कर रखा है। तभी तो विज्ञापनों में तोहफा नहीं--तो त्यौहार नहीं। आज के इस दौर में त्यौहार तय नहीं करते कि विज्ञापन क्या हो, बल्कि विज्ञापन तय करते हैं कि त्यौहार का स्वरूप क्या हो। न्यूज पेपर के कार्टून में ये दर्शाते हैं कि भाई ने बहिन को गिफ्ट नहीं दिया, -- तो बहिन भाई को बहुत गुस्से में राखी बाँध रही है। अब तो बहन रक्षा का वचन जैसे ना जाने, किस जमाने की बात हो। अब तो बहिन को वही भाई भाये, जो बहन के लिए मन पसंद तोहफा लेकर आये। प्रेम का स्थान अब ब्रांडेड तोहफों ने ले लिया है। गरीब आदमी रिश्ते तो निभा सकता है, मगर दिखा नहीं सकता। संसार में राजा, रंक, अमीर, गरीब, सन्त, फकीर कोई भी हो, ये सब प्रेम से ही जिन्दा है। आज हमारे रिश्तों से प्रेम तो खत्म हो गया, और स्वार्थ भारी पड़ गया। इसलिए मैं कहता हूँ- रस ही कहाँ रहा रिश्तो में। खून के रिश्तों में हजारों किलोमीटर की दूरिया भी मायने नहीं रखती। अब तो मिन्टों--सैकन्डों में वीडीओ कॉल, व्हाटसएप कॉल कर दो और साक्षातकार कर लो। संसार का सबसे पवित्र रिश्ता यदि कोई रिश्ता है, तो वह है-भाई बहिन का रिश्ता। तभी तो बहिन भाई के सामने कितनी ही सज धज के, सोलह श्रृंगार करके आ जाये, तब भी भाई के मन में किन्चित भी बहिन के प्रति काम-विकार-वासना का भाव नहीं आता है। और यदि कोई दूसरी सज धज कर आ जाये तो, दिल में कुछ-कुछ होने लगता है। इसलिए राखी सिर्फ त्यौहार ही नहीं बल्कि प्रेम का पवित्र अनुष्ठान है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

ज्योतिषाचार्य डॉ. जैन दिल्ली में हुए सम्मानित

नई दिल्ली (मनोज जैन नायक)

ग्वालियर के सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन को दिल्ली ज्योतिष सम्मेलन में सम्मानित किया गया। आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज की प्रेरणा व आशीर्वाद से चल रहे वास्तु एवम ज्योतिष सम्मेलन सूरजमल विहार में ग्वालियर नगर की तरफ से वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने भाग लिया और अपना ज्योतिष आलेख वाचन करते हुए प्रथम सत्र में कुंडली में बनने वाले चांडाल योग और अंगार कारक योग पर शोध पढ़ा । दूसरे दिन पांचवे सत्र में फिर ज्योतिषाचार्य जैन ने कहा कि ज्योतिष में सारे ग्रहों के कष्ट निवारण के उपचार हमारे परिवार एवम घर में ही होते है । हम उनपर ध्यान न देकर महंगे महंगे रत्न अंगूठी धारण कर के उपचार करना चाहते हैं या फिर तंत्र मंत्र, पूजा पाठ के चक्करों में रहते हैं । जबकि अपने ही घर में सभी ग्रहों के कष्ट निवारण हेतु उपाय रहते है । यह बताते हुए समझाया कि अगर कुंडली में आप का सूर्य ग्रह खराब है या उसकी दशा खराब फल दे रही है तो पिता के प्रतिदिन सुबह उठकर पैर छुए, सूर्य नमस्कार करें, गाय को गेहूं, गुड खिलाए। अगर चंद्रमा खराब है या उससे संबंधित परेशानी हो रही है तो मां के पैर छुए, उनके पास बैठे, उनकी बात सुने, उनकी कोई जरूरत पूरी करते रहे, गाय को आटा, चावल खिलाए। मंगल ग्रह खराब फल दे रहे है तो भाई से संबंध अच्छे रखे, उनकी जरूरत पूरी करे, गाय को मलका मसूर गुड खिलाते रहे। बुध संबंधी बातो की परेशानी हो रही है, व्यापार नही चल रहा या विवेक काम नहीं कर रहा समझो बुध ग्रह खराब है । बहिन, भांजी, मौसी, चाची की जरूरत पूरी करे व गाय को हरा घास खिलाएं। गुरु खराब फल दे रहे हैं तो गुरु की सेवा करे, गुरु द्वारा दिए मंत्र का जाप करे, पुस्तक दान करें, गाय को चने की दाल खिलाते रहे। शुक्र खराब हो गया है तो पत्नी पर क्रोध न करे, उनकी जरूरत पूरी करते रहे, गाय को आटे में मिलाकर गुड खिलाए। शनि ग्रह भारी हो गया है तो उसकी पीड़ा निवारण के लिए अपने अधीन सेवको से अच्छा व्यवहार रखे, उनकी सैलरी न रोके, गाय को काले उड़द खिलाते रहे। ज्ञात रहे वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन 26 वर्षो से लगातार ज्योतिष के क्षेत्र में कार्यरत हैं । अनेक जटिल मुद्दों पर भविष्यवाणी सत्य सिद्ध होने से उनकी ज्योतिष के क्षेत्र में दूर दूर तक विख्यात हैं । इस अवसर पर सूरजमल विहार दिल्ली की समाज ने उन्हें तिलक,माला, स्मृति चिन्ह आदि भेंट कर सम्मानित किया।

आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज के सानिध्य में रक्षा बंधन पर्व मनाया गया, वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधते हुए वृक्षाबंधन पर्व मनाया

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में रक्षा बंधन का पर्व बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि सोमवार को श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में प्रातः अभिषेक, शान्तिधारा, सोलह कारण पूजन, नित्य नियम पूजन व ग्यारहवे तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान का मौक्षकल्याणक महोत्सव के निर्वाण लाडू चढ़ाया गया व आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ ने सभी को रक्षा बंधन के पावन अवसर पर मंगलमय आशीर्वाद देते हुए कहा की रक्षा बंधन पर्व बंधन का पर्व है। यह पर्व हमें रक्षा सूत्र बांधकर वचन देना चाहिए। महामुनि विष्णु कुमार जी ने 700 मुनियो पर हुए उपसर्ग को श्रावण मास की पुणिमा के दिन दुर किया था और उनकी रक्षा करके सारे संसार को यह सन्देश दिया था कि धर्म रक्षा और मुनि रक्षा के लिए अपना तन मन धन सभी न्योछावर करना पड़े तो भी कर देना चाहिए। वही रक्षाबंधन के अवसर पर पूज्य 108 आचार्य प्रज्ञासागर जी मुनिराज के संकल्प हमारा लक्ष्य एक करोड़ वृक्ष की रक्षा के संकल्प में सहयोगी बन पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधते हुए वृक्षाबंधन पर्व मनाया। इस दौरान गुरुभक्त आशीष जैन, प्रमोद जैन गुड्डा, नीलेश जैन, मनीष जैन,लोकेश जैन, रोमिल जैन, जीवेश जैन, सुमित जैन, अक्षय जैन, महावीर जैन, अंकुर जैन बंटी आदि गुरुभक्त उपस्थित रहे।

पिड़ावा क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

पिड़ावा. शाबाश इंडिया

शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । रक्षाबंधन पर्व पर बहनों ने भाई की कलाई पर प्रेम का धागा बांधा और मुंह मीठा करवाया। वहीं भाइयों ने बहनों को रक्षा का वादा किया । वहीं क्षेत्र में राखी के त्यौहार पर बाजारो में अधिक चहल पहल दिखाई दी । भाई बहन के पवित्र त्यौहार पर छोटी छोटी बहनो ने अपने भाइयों की कलाई पर डोरीमोन, लाइट वाली, छोटा भीम, मास्क वाली सहित कई तरह की आकर्षक राखियो से अपने भाइयों की कलाई सजादी।

700 श्रीफल से सात सौ मुनियों का पूजन किया

भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की

साखना. शाबाश इंडिया। श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवान श्रेयांशनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश सोनी एवं मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि अतिशय क्षेत्र पर प्रातः क्षीरसागर से जल लाकर भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा की गई तत्पश्चात शांतिनाथ भगवान का पूजन श्रेयांशनाथ भगवान का पूजन शीतलनाथ भगवान का पूजन चंद्रप्रभु भगवान का पूजन कर 700 श्रीफल से सात सौ मुनियों का विशेष पूजन किया गया श्रेयांशनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं के जयकारों के साथ निर्वाण लड्डू एवं अष्ट द्रव्य श्री जी के चरणों में समर्पित किये इस अवसर पर प्रकाश सोनी महावीर प्रसाद अंकित शास्त्री प्रवीण कुमार टोनू आनंद प्रकाश पाटनी नरेंद्र जैन मनीष कुमार सहित सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि श्रावण शुक्ल पूर्णिमा तिथि को विष्णु कुमार मुनिराज ने 700 महामुनिराजों पर आए घोर उपसर्ग को दूर कर उन महामुनिराजों की उपसर्ग से रक्षा की थी। तभी से श्रावक द्वारा धर्म रक्षा का यह पर्व रक्षाबंधन प्रारम्भ हुआ इस अवसर पर विष्णुकुमार महामुनिराज तथा घोर उपसर्ग विजेता 700 मुनिराजों की अत्यंत भक्ति-भाव से पूजन आराधना की गई पंडित अंकित शास्त्री ने रक्षाबंधन महापर्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्षाबंधन पर्व का महत्व तभी है जब हम इस अवसर पर अपने घर्म, धर्मायतनों तथा मुनिराजों, आर्यिका माताजी आदि साधुओं की रक्षा हेतु विचार करें व उनकी सेवा तथा रक्षा हेतु संकल्पित हों श्रावको ने विष्णु कुमार मुनि और अकंपाचार्य मुनि की पूजा की अतिशय क्षेत्र पर मौजूद महिलाओ ने रक्षाबंधन पर्व की कथा सुनकर व्रत रखा एवं एक दूसरे के रक्षा सूत्र बांधा इस अवसर पर शिमला जैन चन्द्रकला लाड देवी ममता लक्ष्मी विमला देवी सोना देवी ज्योति जैन शिल्पा जैन आदि मौजूद थी।

संस्कृति रक्षा दिवस और भगवान श्रेयांशनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

भैसलाना. शाबाश इंडिया

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जैन समाज ने अपनी धर्म की मान्यतानुसार श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस और भगवान श्रेयांशनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के रूप में मनाया। सुबह अभिषेक, शांतिधारा, नित्यनियम पूजा अर्चना सहित धार्मिक आयोजन हुआ। इस दौरान शांतिधारा का सौभाग्य अंजना देवी धर्मपत्नी ओमप्रकाश काला रानोली परिवार जयपुर को प्राप्त हुआ।समाज के राजकुमार पाटनी ने बताया कि श्री विष्णु कुमार मुनिराज ने अकांपनाचार्य मुनि सहित 700 मुनियों पर हुए उपसर्ग से रक्षा,राजा बलि से की थी।रक्षाबंधन दिवस पर धर्म, संस्कृति के लिए प्रतिबद्धता व स्वपरिवार में प्रेम बढ़े व स्वयं के आत्मा के हितार्थ व्यक्ति के संकल्पित होने के दिवस के रूप में जैन समाज पारंपरिक रूप से मनाता है।

पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बापूनगर का स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बापूनगर के अध्यक्ष राज कुमार सेठी ने बताया कि इस मन्दिर की स्थापना सन 1956 लगभग 68 वर्ष पूर्व स्वः तारा चन्द पाटनी परिवार द्वारा प्रदत भूमि पर हुआ था तथा यहाँ की मूलनायक प्रतिमा पार्श्वनाथ भगवान की दरोगा जी के मन्दिर से रक्षा बन्धन के दिन यहाँ पर विराजित की गई। चैत्यालय के मन्त्री जे के जैन ने बताया कि इस अवसर पर 108 रिद्धि मन्त्रों से पंडित संजय शास्त्री श्रमण संस्कृति संस्थान के द्वारा आनन्द पूर्वक कराया। इस अवसर पर अभिषेक करने का पुण्य लाभ निम्न द्वारा लिया गया , जिसमें ज्ञान चन्द झाँझरी , सुरेंद्र मोदी , संजय पाटनी , राजीव जैन , महावीर झगवाले, विक्रम काला , मनोज झांझरी , रमेश बोहरा, सतीश गोधा , सूरज अजमेरा, मनीष जैन। महावीर सेठी, निर्मल झाँझरी , राज कुमार जैन , विनोद पाटनी , विजय पांड्या, रोहित कटारिया, धवल मोदी, अनन्त मोदी आदि महानुभावों ने उत्साहपूर्वक मस्तकाभिषेक किया। सयुक्त मंत्री महावीर कुमार जैन झाग वाले के अनुसार इस अवसर पर सुधांशु कासलीवाल, सुभाष पाटनी, निर्मल संघी, प्रो तारा चन्द जैन आदि विशिष्ठ लोगों ने भी इसका लाभ लिया। कार्यक्रम का संचालन रवि सेठी द्वारा किया गया।

बहनों ने भाईयों की कलाई पर बाधें प्रेम व रक्षा सूत्र

बारां. शाबाश इंडिया। कस्बे में बहनों ने शुभ मूहर्त व दिशा अनुसार भाइयों की कलाई पर प्रेम व रक्षा सूत्र बांधे। परंपरा के अनुसार भाइयों की आरती उतार माथे पर टीका लगाया मुंह मीठा कराते हुए रक्षासूत्र के रूप में हाथों की कलाई में राखी बांधी। सावन के अंतिम सोमवार को मंदिरों में भीड़ रही। तपस्वी बगीची महादेव, पिंडाशील महादेव,गूंगा वाले महादेव मंदिरों में कस्बेवासियों ने पूजन अर्चन किया।

जैन धर्मावलंबियों ने साधु-संतो की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाया रक्षाबंधन पर्व

जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक, चढ़ाया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों द्वारा श्रावण शुक्ला पूर्णिमा सोमवार, 19 अगस्त को रक्षाबंधन के पर्व को धर्म एवं साधु संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाया ।इस मौके पर जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया। साथ ही दिगम्बर जैन धर्म के प्रसिद्ध संत श्री विष्णु कुमार महामुनि द्वारा हस्तिनापुर में 700 जैन मुनियों के उपसर्ग को दूर कर मुनियों की रक्षा करने के उपलक्ष्य में महामुनि विष्णु कुमार की विशेष पूजा-अर्चना की गई। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा 'के अनुसार श्रावण शुक्ला पूर्णिमा के दिन राजा बलि द्वारा हस्तिनापुर में 700 साधु-संतों पर अत्याचार किये गये थे। इस अत्याचार एवं उपसर्ग को महामुनि विष्णु कुमार ने ब्राह्मण का रुप धरकर दूर किया था। उन्होंने साधु-संतों को आहार करवाकर स्वयं ने आहार किया था। इसलिए इस दिन को जैन धर्मावलंबी रक्षाबंधन के पर्व को प्रति वर्ष साधु-संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाते हैं। इस मौके पर दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास स्थलों पर एवं शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में महामुनि विष्णु कुमार की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई । जैन श्रावको द्वारा आचार्यों, मुनिराजो, आर्यिका माताजी की पिच्छिका के रक्षा सूत्र बांधा जाकर साधु संतों व जिनवाणी तथा जैन धर्म की रक्षा का संकल्प लिया गया। इस मौके पर साधु संतों के विशेष प्रवचन हुए जिसमें धर्म रक्षा पर जोर दिया गया। श्री जैन के मुताबिक इसी दिन जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया ।मंदिरों में प्रातः भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की गई । पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का सामूहिक उच्चारण करते हुए मंत्रोच्चार के साथ मोक्ष कल्याणक श्लोक " गिरि समेदतै पायो, शिवथल तिथि पूर्णमासी सावन को। कुलिशायुध गुनगायो, मै पूजो आप निकट आवन को "। का उच्चारण कर जयकारों के बीच मोक्ष कल्याणक अर्घ्य एवं निर्वाण लाडू चढाया गया। जैन के मुताबिक दिल्ली रोड पर जयसिंहपुरा खोर के दिगम्बर जैन मंदिर में मूलनायक भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया। जैन के मुताबिक मानसरोवर के वरुण पथ मंदिर में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ, प्रतापनगर में उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज, अग्रवाल फार्म स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट में उपाध्याय वृषभानन्द महाराज,मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज,पदमपुरा के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ, दुगार्पुरा के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर महाराज,कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर, मुनि शील सागर महाराज, बरकतनगर के णमोकार भवन में मुनि अर्चित सागर महाराज, दहमीकला के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका नंग मति माताजी के सानिध्य में रक्षाबंधन पर्व पर पूजा अर्चना के विशेष धार्मिक आयोजन किये गये ।

श्रेयांसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर चढ़ाया निर्वाण लड्डू

गुंसी में गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में हुआ आयोजन

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला टोंक राजस्थान में ससंघ विराजित गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में श्रेयांसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अवसर पर निर्वाण लड्डू चढाया गया । निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य पदमचंद राजेश झिलाय वाले निवाई सपरिवार ने प्राप्त किया।प्रभु श्री शांतिनाथ के देवकृत अभिषेक के पश्चात प्रथम अभिषेक व शांतिधारा करने का अवसर क्रमश राजेन्द्र मंगल विहार जयपुर व ताराचन्द रामनगर वाले निवाई ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा के पश्चात अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों की पूजन भक्तों ने की। तत्पश्चात निर्वाण लड्डू चढाया गया। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - रक्षाबंधन 700 मुनियों के उपसर्ग का निवारण का उनकी रक्षा का दिन है । आज के दिन हस्तिनापुर में 700 मुनियों का उपसर्ग दूर हुआ था । यह प्रेम वात्सल्य का पर्व है । पर वर्तमान में इस पर्व को पैसों आदि व्यापार का पर्व समझा जा रहा है । मैं केवल जैन समाज को नहीं अपितु देश के हर नागरिक से कहना चाहती हूं कि आज इस रक्षाबंधन के दिन सभी भाई यह नियम ले कि सभी को अपनी बहन , माँ , भाभी का दर्जा दूँगा उनको गलत दृष्टि से नहीं देखूंगा । ओर कही इस प्रकार का दृश्य देखेंगे तो उनकी रक्षा करेंगे तो आज दुनिया में जितने गुनाह हो रहे हैं । वह स्वतः ही समाप्त हो जाएंगे। उपस्थित सभी गुरु भक्तों ने पूज्य माताजी ससंघ की आहारचर्या करवाने का सौभाग्य प्राप्त किया । साथ ही शांतिलाल नन्दपुरी व सुनीता बड़ागांव ने रक्षाबंधन पर्व पर पूज्य माताजी ससंघ को आहारदान देने का अवसर प्राप्त किया।

जैन चेस प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन एवम् चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में चेस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन सीनियर जस्टिस पंकज भंडारी एवं जस्टिस अनिल कुमार उपमन ने किया। इस प्रतियोगिता में सीनियर जस्टिस पंकज भंडारी , जस्टिस अनिल कुमार उपवन, न्यायिक अधिकारी अनंत भंडारी सहित कई न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने लिया भाग। प्रथम एडवोकेट पीयूष शर्मा द्वितीय अजय सिंह, तृतीय तेजस्वी शर्मा, चतुर्थ पर्व ठोलिया एवं पाँचवे स्थान पर अशोक सोनी रहे, जिनको जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने इस स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। चेस पैरेंट्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन ने

बताया कि जैन सोशल ग्रुप महानगर एवं चेस पैरेंट्स एसोसिएशन द्वारा 26 अगस्त 2024 को आयोजित होने वाले जैन चेस प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन वरिष्ठ जस्टिस इन्द्रजीत सिंह के कर कमलों से किया गया। जिसमें बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा, सचिव सुशील पुजारी, उपाध्यक्ष अशोक यादव, दीपेश शर्मा, गोविंद शर्मा, मनीष शर्मा, योगेश कुमार टेलर, दिनेश वशिष्ठ, टूनार्मेंट को -ऑर्डिनेटर प्रीति भंडारी, आयोजन सचिव एडवोकेट अरविंद चावला, मीनू वर्मा, चाकसू बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एन एल शर्मा, जैन सोशल ग्रुप महानगर के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, सचिव सुनील जैन गंगवाल,चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव ललित भराड़ीया, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र अरोड़ा, ख्याति प्राप्त ज्योतिषचार्य पंडित दिनेश शर्मा, इंटरनेशनल आर्बिटर भगवती प्रसाद शर्मा , डॉक्टर लोकेंद्र शर्मा, चेतना शर्मा, रवि वर्मा, आशिमा माथुर, रूपेश चंदेल , डॉ सुमन शर्मा एवं काफी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे। चेस पैरेंट्स एसोसिएशन द्वारा दिनांक 7-8 सितंबर 2024 को एस एम एस इंडोर स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय रैपिड चेस टूर्नामेंट का आयोजन होगा।

अंहकार उपद्रव का जनक है: मुनि प्रणम्य सागर

मनाया रक्षाबंधन वात्सल्य पर्व रक्षाबंधन कथा का हुआ वाचन, मंगलवार को होगा पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर चातुर्मास रत मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सोमवार को श्रमण संस्कृति की रक्षार्थ वात्सल्य का प्रतीक रक्षा बंधन पर्व मनाया गया। इस मौके पर मुनि श्री ने अपने मुखारबिन्द से संगीतमय रक्षाबंधन कथा सुनाई। मुनि श्री ने रक्षा बंधन मनाने का महत्व बताते हुए कवि नाथूराम द्वारा विरचित रक्षाबंधन कथा में बताया कि विष्णु कुमार मुनि ने अकंपन आचार्य सहित 700 मुनियों की रक्षा की। अकंपनाचार्य ने राजा बलि का अहंकार तोड़कर 700 मुनियों की रक्षा की तभी से इस दिन को मुनि रक्षा पर्व के रूप में मनाया जाता है। मुनि श्री ने कहा कि अहंकार उपद्रव का जनक है। मौन रहकर समता के साथ हम इससे बच सकते हैं। मुनि श्री ने कहा कि हमें अपने बच्चों के नाम तीर्थंकरों के नाम पर रखने चाहिए। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा के बाद आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी उत्तम कुमार पाण्डया परिवार एवं मंजू - प्रमेय पाटोदी परिवार ने संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन प्राप्त किया। इस मौके पर शीतल कटारिया, अजय कटारिया, लोकेश पाण्डया, सुभाष बज सहित कई समाजश्रेष्ठियों ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन एवं संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार, 20 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय वाचन किया जाएगा। मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

वकालत के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बंसीलाल गवारिया हुए सम्मानित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। वकालत के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अधिवक्ता बंसीलाल गवारिया को सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान हुए कार्यक्रम में गवारिया को जनजाति मंत्री बाबू लाल खराड़ी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान से नवाजा। वर्ष 2019 से बतौर विशिष्ट लोक अभियोजक एससी, एसटी कोर्ट में अपनी सेवाएं देने वाले गवारिया पिछले 21 वर्ष से वकालत कर रहे हैं। 2024 में उदयपुर बार कांउसिल के उपाध्यक्ष चुने गए बंसीलाल गवारिया हाईकोर्ट बैंच को लेकर चल रहे आन्दोलन में भी सक्रीय भूमिका रहे हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, स्वस्तिक की विदेश यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप,स्वस्तिक का एक सप्ताह का बाली, इंडोनेशिया का यात्रा 18 अगस्त को संपन्न हुआ।अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि ग्रुप के 22 साथी इस टूर में गए थे ।

राज्यपाल से मिले स्वामी महेश्वरानंद

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्वगुरु स्वामी महेश्वरानंद ने राजभवन में नए राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से मुलाकात की। इस मौके पर स्वामी महेश्वरानंद के साथ महामंडलेश्वर ज्ञानेश्वर पुरी , अग्नि देवी व चंद्रपुरी मौजूद रहे। सचिव कपिल अग्रवाल ने बताया कि नए राज्यपाल साहब स्वामी से मिलकर प्रसन्न हुए और उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही ओम आश्रम पधारेंगे।